

2021-22



राजस्थान

ग्राम विकास अधिकारी

(VDO) (ग्राम सेवक)

प्रारंभिक परीक्षा हेतु

RAJASTHAN SUBORDINATE AND MINISTERIAL SERVICE
SELECTION BOARD (RSMSSB)

भाग-1 भूगोल (भारत + विश्व)
+ करंट अफेयर्स

1. समय - सामायिक विषय -

1. राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर मुख्य सामयिक सरकारी विषय
2. घटनाएँ
3. क्रीडा
4. सम्मलेन एवं बैठक
5. पुरुस्कार एवं सम्मान
6. चर्चित पुस्तकें एवं सूचकांक
7. विविध करंट अफेयर्स इत्यादि
8. राजस्थान करंट अफेयर्स (मासिक)

2. भूगोल और प्राकृतिक संसाधन -

(अ) विश्व का भूगोल

1. विस्तृत भौतिक विशिष्टताएं
2. महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान
3. पर्वत एवं पठार
4. महासागर
5. मैदान, मिट्टी एवं विविध

(ब) भारत की पारिस्थितिक और वन्य जीव -

1. सामान्य परिचय
2. भौतिक विभाजन
3. नदियाँ एवं झीलें
4. जलवायु
5. कृषि एवं पशुपालन
6. मृदा / मिट्टी
7. प्राकृतिक वनस्पतियाँ
8. प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन
9. भारतीय उद्योग
10. परिवहन तंत्र
11. महत्वपूर्ण वनलाइनर तथ्य
12. पारिस्थितिक और वन्य जीव

राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर मुख्य सामयिक सरकारी विषय

• राज्य परिदृश्य

• असम

राज्य का छठा राष्ट्रीय उद्यान घोषित

असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्वा सरमा ने 6 जून, 2021 को जानकारी दी कि, कोकराझार जिले में रायमोना आरक्षित वन को असम के छठे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अपग्रेड किया गया है।

यह वन क्षेत्र भूटान की सीमा के पार बोडोलैण्ड प्रादेशिक क्षेत्र (BTR) के अन्तर्गत आता है।

असम में पाँच राष्ट्रीय उद्यान हैं - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस राष्ट्रीय उद्यान, नामेरी

राष्ट्रीय उद्यान, ओरंग राष्ट्रीय उद्यान और डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान।

• छत्तीसगढ़

विश्व बैंक के साथ CHIRAAG

प्रोजेक्ट के लिए समझौता

भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के साथ संयुक्त रूप से CHIRAAG (CHHATTISGARH INCLUSIVE RURAL & ACCELERATED AGRICULTURE GROWTH) परियोजना के लिए विश्व बैंक के साथ \$ 100

मिलियन के समझौते पर हस्ताक्षर किए। CHIRAAG परियोजना का लक्ष्य छत्तीसगढ़

में स्थायी उत्पादन प्रणाली विकसित करना है, जो राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में आदिवासी

परिवारों को विविध और पौष्टिक भोजन वर्ष-दर-वर्ष उत्पादन करने की अनुमति देगा।

यह परियोजना राज्य के दक्षिणी आदिवासी बहुल क्षेत्र में लागू की जाएगी,

जहाँ एक बड़ी आबादी कुपोषित और गरीब है।

- **दिल्ली सरकार द्वारा अपन शिक्षा बोर्ड की स्थापना की घोषणा**

मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 16 मार्च, 2021 को दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (DBSE) के गठन और पंजीकरण की घोषणा को बोर्ड के पास एक शासी निकाय होगा, जिसकी अध्यक्षता शिक्षा मन्त्री करेंगे और इसमें एक कार्यकारी निकाय भी दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए होगा और इसकी अध्यक्षता एक CEO करेगा। दोनों निकायों में पेशेवर उद्योगों, शिक्षा क्षेत्र, सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्यों और नौकरशाहों के विशेषज्ञ होंगे।

- **कोलकाता में बच्चों के लिए बोट लाइब्रेरी की शुरुआत**

पश्चिम बंगाल परिवहन निगम ने 26 जनवरी, 2021 को हेरिटेज बुक स्टोर के सहयोग से बच्चों की पहली बोट लाइब्रेरी शुरू

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

• राष्ट्रीय परिदृश्य

प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश यात्रा -

नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता 'शेख मुजीबुर्रहमान की जन्म शताब्दी और बांग्लादेशकी मुक्ति के 50 वर्ष के युद्ध कीशताब्दी मनाने के लिए समारोह में भाग लेने के लिए 26 - 27मार्च, 2021 को बांग्लादेश की यात्रा की। यह covid -19 महामारी के प्रकोप के बाद मोदी की पहली विदेश यात्रा थी। उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान (बांग्लादेश के राष्ट्रपिता) को मरणोपरान्त गाँधी शान्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त रूप से बंगबन्धु-बापू प्रदर्शनी उद्घाटन किया। उन्होंने बांग्लादेश के उद्यमियों को भारत आनेका निमंत्रण दिया और बांग्लादेश के युवाओं के स्वर्ण जयन्ती छात्रवृत्ति की घोषणा की। मोदी ने शेख हसीना को भारतद्वारा उपहार में दी गई 109 एम्बुलेन्सों के लिए एक प्रतीकात्मक चाबी सौंपी, और covid - 19 टीकों की 1.2 मिलियन खुराक का भी अनुदान के रूप में दान किया।

शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन -

केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री रमेश पोखरियाल "निशंक" ने 23 मार्च, 2021 को नई दिल्ली में शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन किया। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और शिवरामराजगुरु की शहादत के 90 वर्षों को श्रद्धांजलि देने के लिए 'शहीद दिवस' पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर उद्घाटन हुआ। भगत सिंह स्मारक में स्वतन्त्रता सेनानियों पर किताबों के मौजूदा संग्रह को "शहीद स्मृति पुस्तकला" में परिवर्तित करने की घोषणा की गई है।

"कैच द रेन" अभियान की शुरुआत -

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च, 2021 को जल संरक्षण के लिए "जल शक्ति अभियान: कैच द रेन" की शुरुआत की। "कैच द रेन" अभियान देश भर में 22 मार्च से 30 नवम्बर तक (मानसून पूर्व और मानसून अवधि) लागू किया जाएगा।

इटली द्वारा isa संशोधित समझौता पर हस्ताक्षर -

यूरोपीय देश इटली ने 17 मार्च 2021 को भारत के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के संशोधित फ्रेमवर्क समझौता पर हस्ताक्षर किए / isa फ्रेम वर्क समझौता के संशोधन संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों को isa समूह में शामिल होने की अनुमति देते हैं।

भारत का पहला समर्पित एक्सप्रेस कार्गो टर्मिनल -

बंगलुरु में केम्पेगाँडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 12 मार्च, 2021 को एक्सप्रेस कार्गो टर्मिनल शुरू किया गया, जो विशेष रूप से अन्तर्राष्ट्रीय कोरियर के नियति और आयात के लिए है। बंगलौर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (bia) द्वारा 2 लाख वर्ग फीट पर विकसित यह बिल्ट-टू-सूट फैसिलिटी DHL, एक्सप्रेस और फेडएक्स एक्सप्रेस जैसे वैश्विक एक्सप्रेस कोरियर संगठनों का नेतृत्व करेगा

MSME के प्रौद्योगिकी केन्द्रों और विस्तार केन्द्रों का शुभारम्भ -

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नितिन गडकरी ने 10 मार्च, 2021 को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम और मध्यप्रदेश के भोपाल में दो प्रौद्योगिकी केन्द्रों का उद्घाटन किया।

भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री सेतु” का उद्घाटन -

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 मार्च, 2021 एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के बीच और विशेष रूप से भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के साथ सम्पर्क को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच मैत्री सेतु पुल का उद्घाटन किया। 7.9 किमी लम्बा यह मैत्री सेतु ब्रिज फेनी नदी पर बनाया

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

• अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य

ऑस्ट्रेलिया -

ऑस्ट्रेलिया में विश्व की पहली प्लैटिपस सैक्युअरी का निर्माण

ऑस्ट्रेलियाई संरक्षणवादियों ने जलवायु परिवर्तन के कारण विलुप्त हो रहे प्लैटिसस के लिए विश्व के पहले शरणस्थल का निर्माण करने की अपनी योजना का खुलासा किया है। नई सुविधा इन प्रतिष्ठित प्राणियों के प्रजनन और पुनर्वास को बढ़ावा देगी, जो ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी हैं।

इटली -

मारियो द्राघी बने प्रधानमंत्री

यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व प्रमुख मारियो द्राघी ने 12 फरवरी 2021 को इटली के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

सिगापुर -

दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर फार्म -

सिगापुर जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा तैरता हुआ सोलर फार्म बना रहा है। यह 60 मेगावाट-पीक फ्लोटिंग सोलर सिस्टम

सिगापुर पब्लिक यूटिलिटीज बोर्ड के सहयोग से सेम्बकॉर्प इण्डस्ट्रीज द्वारा तांगेह जलाशय में बनाया जा रहा है। एक बार पूरा हो जाने के बाद, 122000 पैनल वाला सौर फार्म दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे बड़े क्षेत्र में से एक होगा, जो 45 फुटबॉल पिचों के आकार को कवर करेगा।

एस्टोनिया -

काजा कालास बर्नी एस्टोनिया की पहली महिला प्रधानमन्त्री रिफॉर्म पार्टी (रीन्यू यूरोप) की काजा कालास 24 जनवरी, 2021 को एस्टोनिया की पहली महिला प्रधानमन्त्री बन



नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

• प्रकाशित चर्चित प्रमुख पुस्तकें एवं उनके लेखक (वर्ष 2021)

पुस्तक का नाम	लेखक
वाहना मास्टरक्लास	अल्फ्रेडोकोवेल्ली
एडवांटेज इंडिया - द स्टोरी ऑफ इंडियन टेनिस	अनिघा दत्ता
मनोहर परीकर - ऑफ दरिफॉर्ड	वामनसुभाप्रभु
द कॉमनवेल्थ ऑफ क्रिकेट	रामचंद्रगुहा
ब्यूटीफुल थिंग्स	हंटर बाइडेन
कमलास वे	डैन मोरेन
द लिटिल बुक ऑफ एनकरेजमेंट	दलाई लामा
अनफिनीशेड : अ मेमॉयर	प्रियंका चौपड़ा

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

राजस्थान समय सामयिकी (C.A.) (मासिक)

• मार्च

1. भरतपुर की नीतिशा अग्रवाल (9 वर्ष) नॉनस्टॉप डांस में एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाली भारत की पहली बच्ची बनी हैं। उन्होंने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में ग्रांड मास्टर का टाइटल प्राप्त किया।
2. 1 मार्च को राज्य कोविड-19 टीकाकरण कोविन 2.0 शुरू हो गया।

इस चरण में 60 वर्ष से अधिक और 45 से 60 वर्ष के बीच की आयु वाले गंभीर बीमारी के शिकार लोगों को टीका लगाया जा रहा है।

3. स्वच्छ मशहूर स्थलों की सूची

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग ने स्वच्छ मशहूर स्थलों के चौथे चरण के तहत देश के 12 स्थानों को चुना है। इनमें राजस्थान के कुंभलगढ़, जैसलमेर किला और रामदेवरा को चुना गया है।

4. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 24 फरवरी को बजट में अनाथ, उपेक्षित बच्चों के पुनर्वासि के लिए गोरा धाय ग्रुप फोस्टर केयर संचालन की योजना रखी।

➤ यह योजना पूरे 33 जिलों में शुरू की जाएगी।

5. पाली के जैतारण तहसील के खेड़ा रामगढ़ गांव की मोनिका पटेल का इंडिया की वनडे और टी-20 टीम में चयन हुआ है।

6. ड्राइविंग लाइसेंस पर ऑर्गन डोनेशन की इच्छा अंकित करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है।

7. राजस्थान में 5 अगस्त 2011 को फूड सेफ्टी एक्ट लागू हुआ। लागू होने के 10 साल में एक भी मिलावटखोर को सजा नहीं मिली है।

➤ मौजूदा प्रावधान में मिलावटियों को जमानत पर छोड़ने की व्यवस्था है।

➤ हाल ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मिलावट और नकली दवाओं पर रोक लगाने के लिए क्रिमिनल लॉ (राजस्थान संशोधन) एक्ट 2021 को विधानसभा में पेश किया है।

➤ राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून लागू हो जाएगा।

8 मार्च को राजस्थान और गुजरात के पूर्व राज्यपाल जस्टिस अशुमान सिंह का निधन हो गया। अशुमान सिंह ने जनवरी 1999 से 2003 तक राजस्थान के राज्यपाल के रूप में

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718



- **जून**

(1) डॉ रमेश गाँधी तम्बाकू नियंत्रण के लिए "रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2021 से सम्मानिता।

डॉ रमेश गाँधी को तम्बाकू नियंत्रण के लिए रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2021 मिला है। हाल ही में भारत में तम्बाकू नियंत्रण मॉडल विकसित करने के लिए राजस्थान के डॉ रमेश गाँधी को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2021 दिया गया है। डॉ रमेश गाँधी राजस्थान में गाँधी फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं।

(2) राजस्थान के पूर्व संसद हरेन्द्र सिंह बनेड़ा का निधन।

राजस्थान के भीलवाड़ा के बनेसा राजघराने के राजाधिराज व पूर्व संसद हरेन्द्र सिंह बनेड़ा का 75 वर्ष की आयु में कोरोना से निधन हो गया है। हरेन्द्र सिंह ने 25 वर्ष की आयु में भीलवाड़ा

लोकसभा सीट से 1971 में पहला चुनाव लड़ा था। यह देश के सबसे युवा ससद चुने गए थे। बनेडा फोर्ट का मेवाड़ के इतिहास में विशिष्ट स्थान रहा है। उदयपुर के महाराणा राजसिंह के पुत्र राजा भीमसिंह ने बनेडा रियासत की स्थापना की थी।

(3) राजस्थान राज्य तम्बाकू और पान मसाला पर बँन लगाने वाला भारत का तीसरा राज्य।

31 मार्च 2021 को राजस्थान में विश्व तम्बाकू नियंत्रण दिवस मनाया गया है। इस दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया है। राजस्थान वर्ष 2019 में गांधी जयंती पर तम्बाकू और पान मसाला पर रोक

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

• अगस्त

- (1) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने। अगस्त को 'घर-घर औषधि योजना' एवं 72वें वन महोत्सव का शुभारम्भ किया।

- इस योजना के तहत वन विभाग की ओर से आगामी पांच वर्षों में प्रदेश के सभी 1 करोड़ 26 लाख परिवारों को तुलसी, गिलोय, कालमेघ और अश्वगंधा के आठ-आठ औषधीय पौधे तीन बार नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।
- योजना का उद्देश्य:- प्रदेश के लोगों की स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा औषधीय पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना है।
- वन राज्य मंत्री - सुखराम विश्वाड़ी
- साथ ही मुख्यमंत्री ने 72वें वन महोत्सव के तहत जयपुर के ग्राम बिलौंची में लगाने के लिए पीपल का पौधा और अन्य पौधों के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर खाना किया।
- प्रदेश में लघु वन उपज उत्पादन वृद्धि के लिए राज्य वन विकास निगम का गठन किया गया है। साथ ही ताल छापर अभियारण्य में वन्यजीव प्रबंधन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया जा रहा है।

(2) हाल ही राजस्थान सरकार के उद्योग विभाग और राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम (RIIICO) ने राज्य में इच्छुक नियतिकों को बढ़ावा देने के लिए 'नियतिक बनो' अभियान शुरू किया है।

(3) आईआईटी जोधपुर में राजस्थान का पहला इसेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी सेंटर स्थापित किया गया है।

(4) कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए मुखबिर योजना के तहत प्रोत्साहन राशि ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपए बढ़ा दी गई है।

(5) चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने अर्ली कैंसर डिटेक्शन वैन का शुभारंभ किया है। इस वैन द्वारा कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जांचें मौके पर ही की

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास

हैं कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण सभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

• राजस्थान की प्रमुख योजनाएं 2021

अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद के अनुसार नववर्ष 2021 के आगाज पर 'मुख्यमंत्री मदरसा आधुनिकीकरण योजना' के तहत 36 मदरसों को विनिमण कार्यों के लिए 538 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है।

• कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना 2021 -

- पहली बार इस योजना में सीबीएसई की छात्राओं को भी शामिल किया गया है। अब इस योजना में सीबीएसई की छात्राओं की हिस्सेदारी 25% की रहेगी।
- गौरतलब है, कि इससे पहले इस योजना में केवल राजस्थान बोर्ड से पास छात्राओं को ही शामिल किया जाता था।
- इस बार 10,050 स्कूटियों का वितरण होगा।
- मुख्यमंत्री गहलोत ने वर्ष 2019-20 के बजट में इसकी घोषणा की थी।
- कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना 2021 में सभी वर्गों की 12वीं पास मेधावी छात्राओं को सरकार मुफ्त स्कूटी देगी।

ओलंपिक में स्वर्ण जीतने पर मिलेंगे 3 करोड़ रुपए -

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ओलंपिक, एशियाई तथा राष्ट्रमंडल जैसे अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने पर प्रदेश के खिलाड़ियों को दी जाने वाली इनामी राशि में 3 से 4 गुना तक बढ़ोतरी करने का फैसला किया है।

- अब ओलंपिक में स्वर्ण जीतने पर 3 करोड़ रुपए मिलेंगे।
- रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी।
- एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता को 1 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी।

राजस्थान में बाल आयोग आपके द्वार अभियान -

राजस्थान में 18 जनवरी 2021 से बाल आयोग आपके द्वार अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत अलवर जिले से

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्प्लीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्प्लीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

विश्व भूगोल

अध्याय - 1

विस्तृत भौतिक विशिष्टताएं

स्थलमंडल

- स्थल मंडल पृथ्वी की वह परत है, जो शैलीय पदार्थों द्वारा निर्मित है और महाद्वीपों तथा महासागरों की द्रोहियों (अधस्थल) तक विस्तृत है।
- स्थलमंडल की औसत मोटाई लगभग 100 किलोमीटर है।
- स्थलमंडल, सिलिका तथा एलुमिनियम शैलो से समृद्ध सियाल नामक परत से बना होता है, जो महाद्वीपों पर पाए जाते हैं।
- महासागरीय अधस्थल में पाए जाने वाले शैल मुख्यतया सिलिका और मैग्नीशियम युक्त होते हैं, जिन्हें सीमा कहा जाता है।
- स्थल मंडल वह मंडल है, जो हमें रहने के लिए भूमि तथा पौधों के लिए मृदा प्रदान करता है और खनिज संपत्ति का स्रोत है।

चट्टान Rock

- पृथ्वी की क्रस्ट में मिलने वाले पदार्थ चाहे वह ग्रेनाइट तथा बालूका पत्थर की भांति कठोर प्रकृति के हो या चिका (Clay) या रेत की भांति कोमल चाक (Chalk) एवं लाइमस्टोन की भांति प्रवेश्य हो या स्लेट की भांति अप्रवेश्य चट्टान कहे जाते हैं।
- प्रत्येक चट्टान की संरचना एक से अधिक प्रकार के खनिजों का संयोग होता है।

पृथ्वी की क्रस्ट में 100 से अधिक तत्व पाए जाते हैं, किंतु उसके अलावा 98.8% भाग की संरचना में 8 तत्वों (ऑक्सीजन - 46.80%, सिलिकॉन - 27.72% एलुमिनियम - 8.13% लोहा - 5.00%, कैल्शियम - 3.63% सोडियम - 2.83%, पोटेशियम - 2.59%, तथा मैग्नीशियम - 2.09% = 98.79%) का ही प्रमुख योगदान रहता है, 1.2% भाग में ही अन्य तत्व सम्मिलित होते हैं। इसके अलावा पृथ्वी की क्रस्ट में

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718



अध्याय - 2

महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान

एशिया की प्रमुख नदियां

नाम	संबंधित देश	विशेषताएँ
आमू दरिया	अफगानिस्तान, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान	<ul style="list-style-type: none"> उद्गम स्थान - पामीर पर्वतीय क्षेत्र अर्ध शुष्क क्षेत्र में बहती है।
सीर-दर्या	कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान	<ul style="list-style-type: none"> मुहाना-अरल सागर में
चाओ-फ्राया नदी	थाइलैंड की प्रमुख नदी	<ul style="list-style-type: none"> मुहाना-थाइलैंड की खाड़ी इसका बेसिन चावल उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। इसके मुहाने पर थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित है।
टिगारस नदी एवं यूफ्रेटस नदी	तुर्की, इराक, सीरिया	<ul style="list-style-type: none"> उद्गम स्थान-टारस पर्वत (टर्की) यह बेसिन खजूर उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इन नदियों को क्रमशः दजला और फरात नाम से भी जाना जाता है।

यलो रिवर (हागहों)	चीन	<ul style="list-style-type: none"> • उद्गम स्थान - कुनलून पठार • मुहाना - पो हाई की खाड़ी (येलो सागर) • अपने कटाव व बाढ़ के लिए प्रसिद्ध यह नदी 'चीन का शोक' कहलाती है। • पीले रंग के लोयस निर्मित मैदान से प्रवाहित होती है इसके कारण यह अत्यधिक मात्रा में सिल्ट का निक्षेप करती है।
------------------------	-----	--

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्प्लीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्प्लीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

• एशिया की प्रमुख जल संधियां

जलसांध	विशेषताए
बोरिंग जलसांध	• अलास्का (अमोरिका) को रूस से करती है।

	<ul style="list-style-type: none"> • पूर्वी चुकची सागर एव बोरिंग सागर को जोड़ती है ।
तत्तर जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> • रूसी मुख्यभूमि को रूस के सखालेन द्वीप से अलग करती है । • जापान सागर को ओखोत्स्क सागर से जोड़ती है ।
ला-पेराज जलसंधि या सोया जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> • जापान के होकडो द्वीप को रूस के सखालेन द्वीप से अलग करती है । • जापान सागर को ओखोत्स्क सागर से जोड़ती है ।
सुगारु जलसंधि	<ul style="list-style-type: none"> • होकडो को होशु द्वीप से अलग करती है । • जापान सागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है ।

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख पर्वत एवं पठार

नाम	विशेषताएँ
एटलस पर्वत	<ul style="list-style-type: none"> यह नवीन वलित पर्वत का उदाहरण है। एटलस पर्वत प्रमुख श्रेणियों (हैं एटलस पर्वत , एंटी एटलस पर्वत , मध्य एटलस पर्वत सहारा एटलस पर्वत) में विभाजित है । यह मोरक्को, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया में विस्तृत पर्वत श्रेणी है एटलस पर्वत की सबसे ऊँची चोटी ' टॉबकल ' (4,165 मी.) है , जो ग्रेट एटलस पर्वत श्रेणी का भाग है।
इथियोपिया की उच्च भूमि	<ul style="list-style-type: none"> इसकी सर्वोच्च चोटी ' रास-दशन ' (4,533 मी.) है ब्लू नील नदी का उद्गम क्षेत्र।
माउन्ट केन्या	<ul style="list-style-type: none"> यह केन्या उच्चभूमि की सर्वोच्च चोटी है , जिसकी ऊँचाई 5,199 मी. है a\ यह अफ्रीका की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
माउन्ट एल्गान	<ul style="list-style-type: none"> यह केन्या व युगांडा की सीमा पर अवस्थित एक शांत ज्वालामुखी पर्वत है
माउन्ट किलिमंजरो	<ul style="list-style-type: none"> अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी जो तंजानिया में अवस्थित है। इसकी ऊँचाई 5,895 मी है इसे ' माउन्ट ' किबो के नाम से भी जानते हैं। इसकी ढाल पर विश्व प्रसिद्ध कहवा की खेती होती है।

	इसकी विशेषता साल भर बर्फ से ढके रहना है, जबकि विषुवत रेखा से यह मात्र 322किमी. दूर अवस्थित है।
माउन्ट राउवेनजोरी	डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कागो (जायरे) की अलबटे झील के समीप स्थित , इसे 'Mountains of the moon' के नाम से भी जाना जाता है।
माउन्ट कैमरून	अफ्रीका का एक सक्रीय ज्वालामुखी पर्वत ,कैमरून के तटीय क्षेत्र में अवस्थित।
माउन्ट सिनई	<ul style="list-style-type: none"> • हॉस्ट पर्वत का उदाहरण • एशिया महाद्वीप का भाग • मिस्र का मरुभूमिय पर्वत
तिबेस्ती पठार (मसिफ)	उत्तरी चाड में स्थित एक मरुभूमिय पर्वत
कटगा पर्वत	यह कान्गो गणराज्य देश के दक्षिणी भाग में स्थित है

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय - 3

पर्वत (Mountains)

- स्थल का वह भू-भाग जो अपने आसपास के क्षेत्र से कम से कम 600 मीटर से अधिक ऊंचा हो और जिसका शीर्ष चोटीनुमा तथा पृष्ठ तीव्र ढाल युक्त हो, पर्वत (Mountain) कहलाता है।
- ऐसा उच्च प्रदेश जिसमें विभिन्न काल विभिन्न रीतियों से बनी पर्वतमालाएँ विद्यमान हो, पर्वत-समूह (Cordillera) कहलाता है; जैसे - ब्रिटिश कोलंबिया का कॉर्डिलेरा।
- जब एक ही प्रकार और एक ही आयु के कई पर्वत लंबी एवं शंकरी पट्टी में फैले होते हैं, तो उसे पर्वत-श्रेणी (Mountain Range) कहा जाता है; जैसे - हिमालय पर्वत-श्रेणी।
- एक ही काल और एक ही प्रकार से बनी अनेक पर्वत-श्रेणियों के समूह को पर्वत-तंत्र (Mountain System) कहते हैं; जैसे - अप्लेशियन पर्वत।

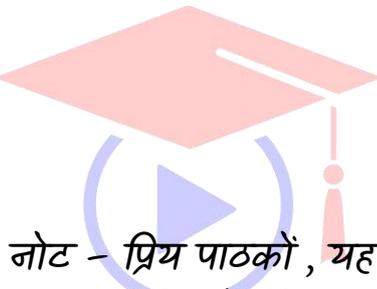
उत्पत्ति के आधार पर पर्वत पांच प्रकार के

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

• विश्व के प्रमुख पर्वत - शिखर

क्र.सं.	नाम	देश	ऊंचाई(मीटरमें)
1.	माउन्ट एवरेस्ट	नेपाल	8,848
2.	के -2(गॉडविन ऑस्टिन)	भारत	8,611
3.	कंचनजंगा	नेपाल -भारत	8,598
4.	लहोत्से	नेपाल	8,501



नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय - 4

महासागर

पृथ्वी का जल से ढका भाग जलमण्डल कहलाता है।

पृथ्वी के लगभग 70.8% भाग पर जलमण्डल का विस्तार है। उत्तरी गोलार्द्ध के लगभग 40% तथा दक्षिणी गोलार्द्ध के 81% भाग पर जलमण्डल का विस्तार है।

जलमण्डल को आकार और स्थिति की दृष्टि से महासागर (Ocean), सागर

a), खाड़ियों (straits) आदि में विभाजित किया जाता है।

जलमण्डल के अंतर्गत प्रमुख रूप से चार महासागर हैं- प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर।

प्रशांत महासागर -

यह पृथ्वी का सबसे बड़ा एवं गहरा महासागर है, जो लगभग 1,65,246,200 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।

प्रशांत महासागर की आकृति लगभग त्रिभुजाकार है, जिसका शीर्ष उत्तर में बेरिंग के मुहाने पर है।

प्रशांत महासागर के पश्चिम में एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, पूर्व में उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका और दक्षिण में अंटार्कटिका महाद्वीप है।

प्रशांत महासागर के बेसिन के अधिकांश भागों की गहराई लगभग 7,300 मीटर तक है।

8. जलमण्डल

प्रशांत महासागर में 20,000 से भी अधिक द्वीप हैं। प्रशांत महासागर का उत्तरी भाग सबसे अधिक गहरा है जिसकी औसत गहराई 5,000 से 6,000 मीटर है।

प्रशांत महासागर में मिडनाओ गर्त की गहराई 10,000 मीटर से भी अधिक है। अटाकामा तथा टोंगा गर्त क्रमशः लगभग 8,000 और 9,000 मीटर गहरे हैं। अत्युशियन, क्युराइल, जापान तथा बेनिन महत्त्वपूर्ण गर्त हैं जिनकी गहराइयाँ 7,000 से 10,000 मीटर तक हैं।

अटलांटिक महासागर

अटलांटिक महासागर आकार में प्रशांत महासागर के लगभग आधा है। यह सम्पूर्ण संसार के लगभग छठे भाग में विस्तृत है।

अटलांटिक महासागर की आकृति अंग्रेजी भाषा के अक्षर 'S' से मिलती-जुलती है।

अटलांटिक महासागर का क्षेत्रफल 82,441,500 वर्ग किमी है।

अटलांटिक महासागर के पश्चिम में दोनों अमेरिका तथा पूर्व में

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /



विश्व के प्रमुख महासागर और सागर -

नाम	क्षेत्रफल	प्रतिशत
(वर्ग किमी में)		

1. महासागर Oceans

1. प्रशांत महासागर	1,65,246,200	45.77
2. अटलांटिक महासागर	82,441,500	22.83
3. हिन्द महासागर	73,442,700	20.34
4. आर्कटिक महासागर	14,090,100	3.9
योग 3,35,220,500		92.85

II . अन्तर-महाद्वीपीय सागर inter-continental seas

1. मालय सागर	8,143,100	2.26
2. मध्य अमेरिकन सागर	4,319,500	1.21
3. भू-मध्य सागर	2,965,900	0.82

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

भारत की पारिस्थिकी और वन्यजीव

अध्याय - 1

सामान्य परिचय

- प्रिय छात्रों , भूगोल इसके अन्तर्गत पृथ्वी और उस पर दिखाई देने वाली सभी बातों या तथ्यों का अध्ययन किया जाता है।
- वर्तमान समय में भूगोल को अनेक प्रकार से विभाजित करने का प्रयास किया गया है और इन्हीं प्रकारों में से एक प्रकार है भौतिक भूगोल।
- भौतिक भूगोल के अन्तर्गत सामान्यतः पृथ्वी से संबंधित स्थल मण्डल (Lithosphere), जल मण्डल (Hydrosphere), वायु मण्डल (Atmosphere) तथा पर्यावरण भूगोल (Environmental Geography) का क्रमबद्ध अध्ययन तथा इनके मध्य पारस्परिक क्रियाओं अध्ययन किया जाता है।

भारत की स्थिति व सीमाएँ से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदु -

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में हिन्द महासागर के शीर्ष पर तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवा स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है।

भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य(Palk Strait) हैं।

- प्रायद्वीप भारत का दक्षिणतम बिन्दु-कन्याकुमारी हैं।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में हैं)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल हैं।

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
	<ul style="list-style-type: none"> • दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) • उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (जम्मू-कश्मीर) • पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) • पूर्व बिन्दु-वालांगू (अरुणाचल प्रदेश) • मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू आर कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू आर कश्मीर
चीन (5)	जम्मू आर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम

भूटान (५)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (५)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यामार (५)	अरुणाचलप्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत-बांग्लादेश सीमा	४०९८ किमी.
भारत-चीन	३२३९ किमी.
भारत-पाक सीमा	३३१० किमी.
भारत-नेपाल सीमा	१७६१ किमी.
भारत- म्यामार सीमा	१६४३ किमी.
भारत-भूटान सीमा	५८७ किमी.

- **मुख्य बिन्दु**
- कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचो-बीच से गुजरती है।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है।
 - उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
 - उत्तर का विशाल मैदान
 - दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
 - समुद्र तटीय मैदान
 - थार मरुस्थल
- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718



महत्वपूर्ण शोर्ट ट्रिक्स -

भारत के राज्यों के नाम

● ट्रिक्स ⇒ मित्र अतरा मुझसे कहता है मैं अपने छ बागों में पकी आम उगाऊँ,

>> राज्य ⇒ अट्टाइस (28),

>> केन्द्र शासित प्रदेश ⇒ नौ (9),

▶ ट्रिक्स का विश्लेषण

□ मि ⇒ मिज़ोरम,

□ त्र ⇒ त्रिपुरा,

□ अ ⇒ असम,

□ त ⇒ तमिलनाडु,

□ रा ⇒ राजस्थान,

□ मु ⇒ मणिपुर,

□ झ ⇒ झारखण्ड,

□ से ⇒ सिक्किम,

□ क ⇒ केरल,

□ ह ⇒ हरियाणा,

□ ता ⇒ तेलंगाना,

□ है ⇒ हिमाचल प्रदेश,

□ मैं ⇒ मेघालय,

□ अ ⇒ अरुणाचल प्रदेश,

□ प ⇒ पश्चिम बंगाल,

□ ने ⇒ नागालैण्ड,

□ छ ⇒ छत्तीसगढ़,

- बा ⇒ बिहार,
- गों ⇒ गोवा,
- में ⇒ मध्य प्रदेश,
- आ ⇒ आंध्र प्रदेश,
- म ⇒ महाराष्ट्र,
- प ⇒ पंजाब,
- की ⇒ कर्नाटक,
- उ ⇒ उत्तर प्रदेश, उड़ीशा,
- गा ⇒ गुजरात,
- उँ ⇒ उत्तराखण्ड,

Note:- केन्द्र शासित प्रदेश ⇒

1. अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह,
2. चण्डीगढ़,
3. दादरा और नगर हवेली,
4. दमन और दीव,
5. लक्षद्वीप,
6. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली,
7. पुदुच्चेरी,
8. जम्मू और कश्मीर,
9. लद्दाख,

भारत के 9 केंद्र शासित प्रदेश

- ट्रिंक ⇒ चलो जला दिल दे दो आप,
- ▶ ट्रिंक का विश्लेषण
- च ⇒ चंडीगड,

- लो ⇒ लक्षदीप,
- ज्व ⇒ जम्मू और कश्मीर,
- ला ⇒ लद्दाख,
- दिल ⇒ दिल्ली,
- दे ⇒ दमन एवं दीप,
- दो ⇒ दादर एवं नागर हवेली,
- आ ⇒ अंडमान ब निकोबार दीप समूह,
- प ⇒ पांडिचेरी,

भारत के 7 sister state

- ट्रिंक ⇒ ATM आना ममी,

▶ ट्रिंक का विश्लेषण

- A ⇒ असम,
- T ⇒ त्रिपुरा,
- M ⇒ मेघालय,
- आ ⇒ अरुणाचल प्रदेश,
- ना ⇒ नागालैंड,
- म ⇒ मणिपुर,
- मी ⇒ मिजोरम,

भारत की स्थल सीमा पर पड़ोसी देश

- ट्रिंक ⇒ बचपन मैं MBA किया,

▶ ट्रिंक का विश्लेषण

- ब ⇒ बंगलादेश (4,096KM),
- च ⇒ चीन (3,917KM),

- प ⇒ पाकिस्तान (3,310KM),
- न ⇒ नेपाल (1,752KM),
- मैं ⇒ silent,
- M ⇒ म्यांमार (1,458KM),
- B ⇒ भूटान (587KM),
- A ⇒ अफगानिस्तान (80KM),
- किया ⇒ silent,

भारत की स्थल सीमा पर पड़ोसी देश

- ट्रिंक ⇒ बचपन मैं MBA किया,

▶ ट्रिंक का विशलेषण

- ब ⇒ बंगलादेश (4,096KM),
- च ⇒ चीन (3,917KM),
- प ⇒ पाकिस्तान (3,310KM),
- न ⇒ नेपाल (1,752KM),
- मैं ⇒ silent,
- M ⇒ म्यांमार (1,458KM),
- B ⇒ भूटान (587KM),
- A ⇒ अफगानिस्तान (80KM),
- किया ⇒ silent,

भारत के समुद्री सिमा वाले राज्य

- ट्रिंक ⇒ KK GG का ATM OP में हैं,

▶ ट्रिंक का विशलेषण

- K ⇒ Karnatak,

- K ⇒ Kerala,
- G ⇒ Gujarata,
- G ⇒ Goa,
- का ⇒ Silent,
- A ⇒ Andhra pradesh,
- T ⇒ Tamilnadu,
- M ⇒ Maharashtra,
- O ⇒ Odisaa,
- P ⇒ Paschim Bengal,
- में ⇒ Silent,
- हैं ⇒ Silent,

भारत की तटीय रेखा

- ट्रिक ⇒ गुजर आत,

► ट्रिक का विश्लेषण

- गुजर ⇒ गुजरात (1214 कि. मी.),
- आ ⇒ आन्ध्र प्रदेश (973 कि. मी.),
- त ⇒ तमिलनाडु (906 कि. मी.),

Note- केन्द्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार द्विप समुह का तटीय रेखा 1962.20 कि. मी. है,

भारत के पूर्वी तटीय राज्य

- ट्रिक ⇒ BOAT,

या

ताऊ आप,

► ट्रिंक का विशलेषण

- B ⇒ Bengal (पश्चिम बंगाल),
- O ⇒ Odisha (उडीसा),
- A ⇒ Andhra pradesh (आन्ध्र प्रदेश),
- T ⇒ Tamil Nadu (तमिलनाडु),

या

- ता ⇒ तमिलनाडु,
- ऊ ⇒ उडीसा,
- आ ⇒ आन्ध्र प्रदेश,
- प ⇒ पश्चिम बंगाल,

भारत के पश्चिम तटीय राज्य

- ट्रिंक ⇒ मगोगु केक,

► ट्रिंक का विशलेषण

- म ⇒ महाराष्ट्र,
- गो ⇒ गोआ,
- गु ⇒ गुजरात,
- के ⇒ केरल,
- क ⇒ कर्नाटक,

अफगानिस्तान से सटे भारत के पड़ोसी राज्य

- ट्रिंक ⇒ पाकिस्तान अधिकृत जम्मू - कश्मीर,

► ट्रिंक का विशलेषण

- पाकिस्तान अधिकृत जम्मू - कश्मीर,

भूटान से सटे भारत के पड़ोसी राज्य

- ट्रिंक ⇒ SAAB,

► ट्रिक का विश्लेषण

- S ⇒ सिक्किम (32 किमी०),
- A ⇒ असम (267 किमी०),
- A ⇒ अरुणाचल प्रदेश (217 किमी०),
- B ⇒ बंगाल (पश्चिम बंगाल 183 किमी०),

म्यांमार (बर्मा) से सटे भारत के पड़ोसी राज्य

- ट्रिक ⇒ ममी आना,

या

अरुना ममी

► ट्रिक का विश्लेषण

- म ⇒ मणीपुर,
- मी ⇒ मिजोरम,
- आ ⇒ अरुणाचल प्रदेश,
- ना ⇒ नागालैंड,

या

- अरु ⇒ अरुणाचल प्रदेश (520 किमी०),
- ना ⇒ नागालैंड (215 किमी०),
- म ⇒ मणीपुर (398 किमी०),
- मी ⇒ मिजोरम (502.19 किमी०),

अध्याय - 3

प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

- नदियाँ

निश्चित वाहिकाओ (Channels) के माध्यम से हो रहे जल प्रवाह को अपवाह (Drainage) तथा इन वाहिकाओं के जाल को अपवाह तंत्र (Drainage System) कहा जाता है।

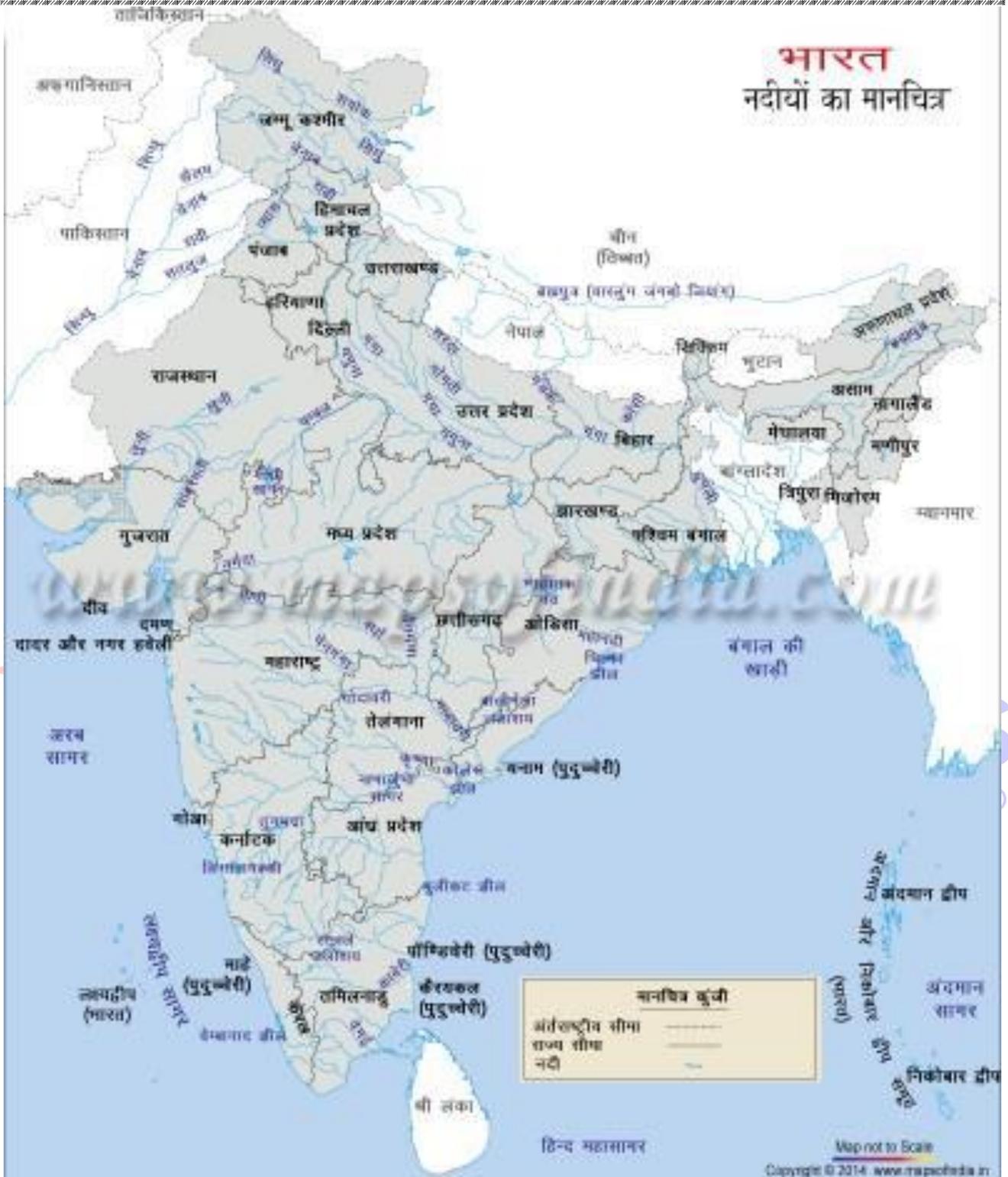
भारतीय अपवाह तंत्र



अरब सागरीय अपवाह तंत्र

बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र

अपवाह तंत्र से तात्पर्य किसी क्षेत्र की जल प्रवाह प्रणाली से है अर्थात् किसी क्षेत्र के जल को कौन सी नदियाँ बहाकर ले जाती हैं।

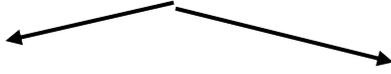


भारत में अपवाह तंत्र

भारत के अपवाह तंत्र का नियंत्रण मुख्यतः भौगोलिक स्वरूप के द्वारा होता है।

भारतीय नदियाँ का विभाजन

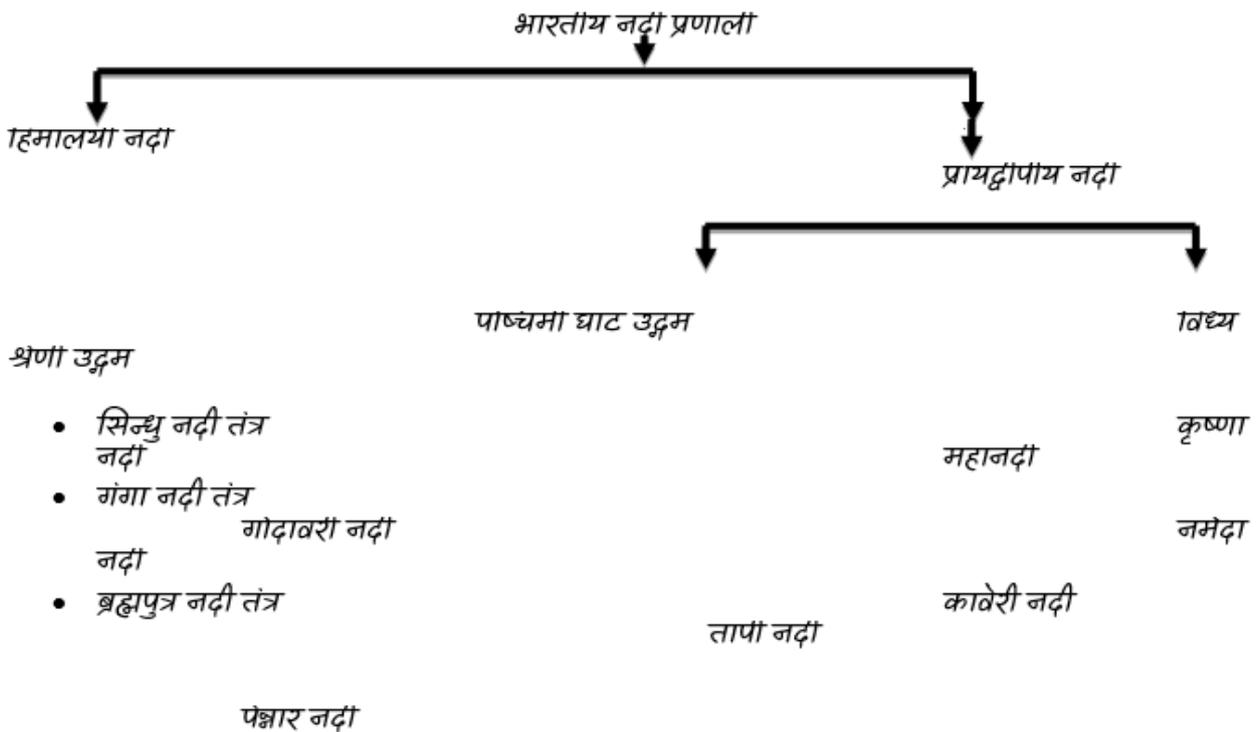
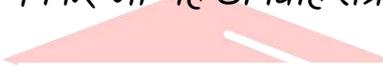
उद्गम एवं प्रकृति के आधार पर



हिमालयी या उत्तरी भारत का
अपवाह तंत्र

प्रायद्वीपीय या दक्षिणी भारत का अपवाह तंत्र

यदापि इस विभाजन योजना में चंबल, बेतवा, सोन आदि नदियों के वर्गीकरण में समस्या उत्पन्न होती है। क्योंकि उत्पत्ति व आयु में ये हिमालय से निकलने वाली नदियों से पुरानी हैं। फिर भी यह अपवाह तंत्र के वर्गीकरण का सर्वमान्य आधार है।



हिमालयी अपवाह तंत्र

उत्तर भारत के अपवाह तंत्र में हिमालय का अधिक महत्त्व है। ये नदियाँ तीव्र गति से अपनी घाटियों को गहरा कर रही हैं। उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले

जाती हैं तथा मैदानी भागों में जल प्रवाह की गति मद पड़ने पर मैदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं। इन्हीं नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैदान का निर्माण हुआ है।

इस क्षेत्र की नदियाँ बारहमासी Perennial हैं क्योंकि ये वर्षण एवं बर्फ पिघलने दोनों क्रियाओं से जल प्राप्त करती हैं। ये नदियाँ गहरे महाखण्डों से गुजरती हैं। जो हिमालय के उत्थान के साथ-साथ होने वाली अपरदन क्रिया द्वारा निर्मित हैं।

इंडो ब्रह्मा नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते हैं कि, मायोसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी। जिसे शिवालिक या इंडो - ब्रह्मा नदी कहा गया है।

इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -

1. पश्चिम में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ
2. मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ
3. पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ



1. सिन्धु नदी तंत्र

सिन्धु जब संधि (1960)

तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलुज का नियंत्रण भारत तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया -

- | | | |
|-----------------------|---|--------------------|
| 1. व्यास, रावी, सतलुज | — | 80% पानी भारत |
| | — | 20% पानी पाकिस्तान |

2. सिन्धु, झेलम, चिनाब $\left\{ \begin{array}{l} 80\% \text{ पानी पाकिस्तान} \\ 20\% \text{ पानी भारत} \end{array} \right.$

सिंधु नदी तंत्र -



यह विश्व की सबसे बड़ी नदी श्रेणियों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km है। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी है।

- सिन्धु नदी की कुल लंबाई 2,880 किमी. है। परंतु भारत में इसकी ल. केवल 1,114 km है। भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिम नदी है।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक हिमनद से होता है, जो 4,164 मीटर उँचाई पर स्थित है। तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं।

- सिन्धु, सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी तेल की प्रमुख नदियाँ हैं। अन्य सहायक नदियाँ - श्योक, गिलगित, जास्कर, हुंजा, नुब्रा, शिगार, गास्टिंग व ट्रास ।
- अंततः यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं। जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती हैं।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं। पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया हैं।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं। तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांगत्सी - क्यांग, जियांग, हंग-हो, पीत, पीली नदी इरावदी, मेकांग एवं सतलज ।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता हैं। यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती हैं। तथा कठोर चट्टानी भागों से होकर बहती हैं। यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ :-

1. सतलज नदी
2. व्यास नदी
3. रावी नदी
4. चिनाब नदी
5. झेलम नदी

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं जो तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर के निकट राकस ताल झील से निकलती हैं। जहाँ इसे लॉगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता हैं।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंडो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकील दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती हैं।

- सतलज, सिन्धु नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदी है। यह भाखडा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती है।
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखडु का निर्माण करती है।

व्यास नदी (विपाशा नदी)

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्वपूर्ण सहायक नदी है। रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती है।

यह नदी कुल्ली घाटी से गुजरती है। तथा धौलाधर श्रेणी में काटी और लारजी में महाखण्ड का निर्माण

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय - 6

मृदा / मिट्टी

भारत के मृदा वर्गीकरण के दिशा में कहीं कार्य किये गए हैं/ जिनमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) द्वारा 1956 में किया गया कार्य अधिक महत्वपूर्ण है / ICAR द्वारा संरचनात्मक मृदा और खनिज, मृदा के रंग व संसधानात्मक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए भारत के मृदा को 8 भागों में विभाजित किया है।

मृदा के प्रकार

1. जलोढ़ मृदा (तराई मृदा , बांगर मृदा, खादर मृदा)
2. काली मृदा
3. लाल - पीली मृदा
4. लैटेराइट मृदा
5. पर्वतीय मृदा
6. मरुस्थलीय मृदा
7. लवणीय मृदा
8. पीट एवं जैव मृदा

मिट्टी के अध्ययन के विज्ञान को मृदा विज्ञान (पेडोलॉजी) कहा जाता है।

1953 में केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड का गठन किया गया।

मृदा शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द "सोलम" से हुई, जिसका अर्थ है - फर्श।

मूल चट्टानों, जलवायु, भूमिगत उच्चावच, जीवों के व्यवहार तथा समय से मृदा अपने मूल स्वरूप में आती है अथवा प्रभावित होती है।

मृदा में सबसे अधिक मात्रा में क्वार्टज खनिज पाया जाता है।

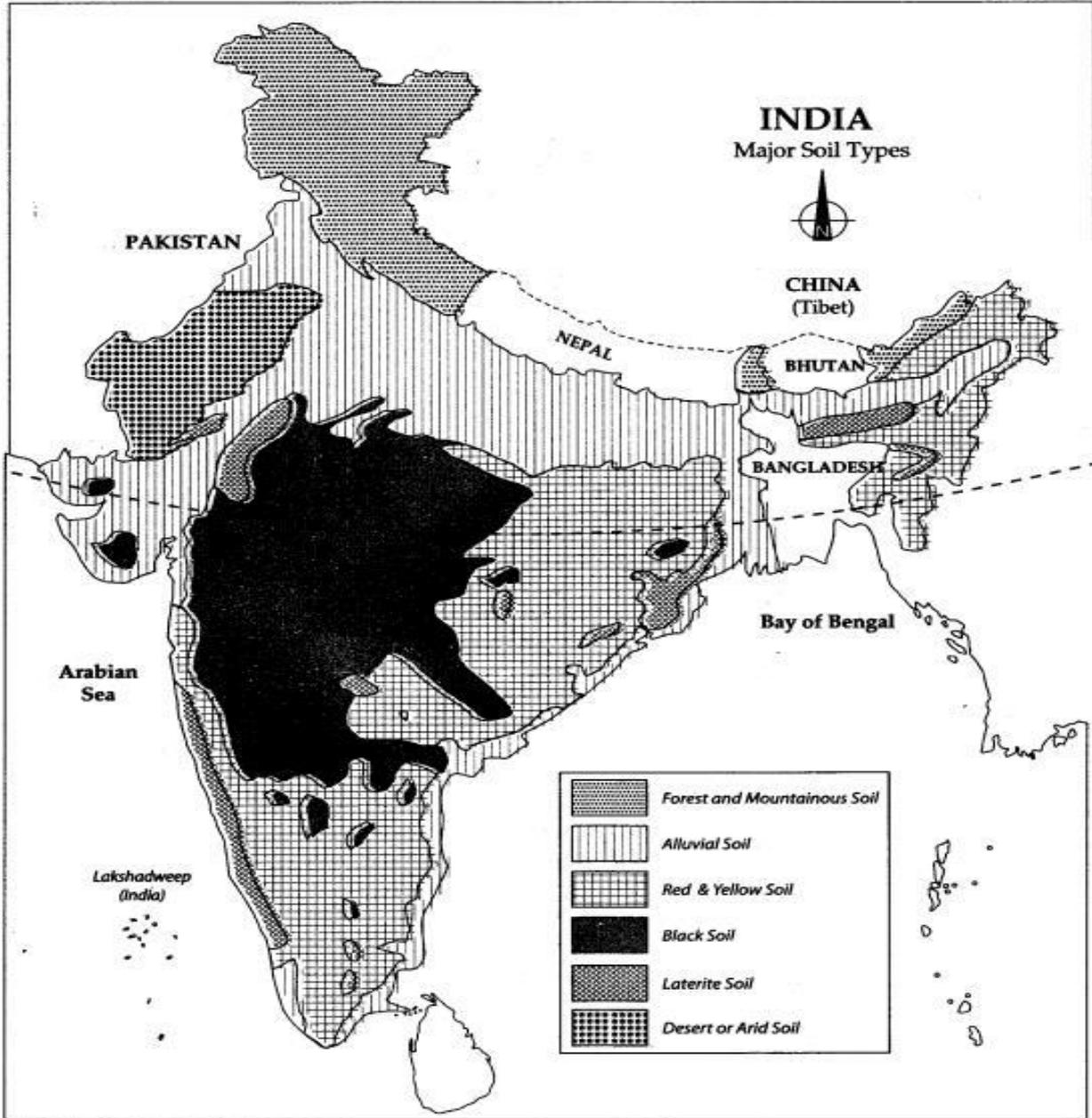
ऐपेटाइट नामक खनिज से मृदा को सबसे अधिक मात्रा में फास्फोरस प्राप्त होता है।

वनस्पति मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा निर्धारित करती है।

मृदा में सामान्यतः जल 25 प्रतिशत होता है।

जलवायु मिट्टी में लवणीकरण, क्षारीयकरण, कैल्सीकरण, पाइजोलीकरण में सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

मृदा को जीवीत तंत्र की उपमा प्रदान की गई है।



S

1. जलोढ़ मिट्टी -

- यह भारत में लगभग 15 लाख वर्ग कि.मी. (43.4%) क्षेत्र पर विस्तृत है।
- इस मृदा का निर्माण नदियों द्वारा लाए गए तलछट के निक्षेपण से हुआ है। इस प्रकार यह एक अक्षेत्रीय मृदा है
- इस मृदा के दो प्रमुख क्षेत्र हैं -

- उत्तर क विशाल मैदान
 - तटवर्ती मैदान
 - जलोढ़ मृदा नदियों की घाटियों एवं डेल्टाई भाग में भी पाएँ जाते हैं
 - ये नदियों द्वारा निर्मित मैदानी भाग में पंजाब से असम तक तथा नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा व कावरी के तटवर्ती भागों में विस्तृत हैं।
 - यह मिट्टी उच्च भागों में अपरिपक्व तथा निम्न क्षेत्रों में परिपक्व हैं।
 - नई जलोढ़ मिट्टी से निर्मित मैदान खादर कहलाते हैं
 - पुरानी जलोढ़ मिट्टी के मैदान बांगर कहलाते हैं।
 - इनमें पोटेश व चुना प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जबकि फास्फोरस, नाइट्रोजन व जीवांश का अभाव पाया जाता है।
 - यह उपजाऊ मृदा है
 - इस मृदा को काँप मृदा या कछारी मृदा भी कहा जाता है
- इस मृदा को तीन भागों में बाँटा जाता है-

1. तराई मृदा

- इस मृदा में महीन कंकड़, रेत, चिकनी मृदा, छोटे - छोटे पत्थर आदि पाएँ जाते हैं
- इस मृदा में चट्टानी कणों के होने से जल ग्रहण की क्षमता अधिक होती है
- इस मृदा में चूने की मात्रा अधिक होती है
- यह गन्ने की कृषि के लिए उपयुक्त होता है

2. बांगर मृदा

- यह पुरानी जलोढ़ मृदा है यह मृदा सतलज एवं गंगा के मैदान के उपरी भाग तथा नदियों के मध्यवर्ती भाग में पाई जाती है
- यहाँ बाढ़ का पानी नहीं पहुँच पाता है
- इस मृदा में चीका एवं बालू की मात्रा लगभग बराबर होता है
- यह मृदा रबी के फसल के लिए उपयुक्त होता है

3. खादर मृदा

- यह नवीन जलोढ़ मृदा है यहाँ प्रत्येक वर्ष बाढ़ का पानी पहुँचने से नवीनीकरण होता रहता है
- यह मृदा खरीफ के फसल के लिए उपयुक्त होता है

2. लाल-पीली मिट्टी -

- यह देश के लगभग 6.1 लाख वर्ग कि.मी. (18.6%) भू-भाग में है।
- इस मिट्टी का विकास आकियन ग्रेनाइट, नीस तथा कुड़प्पा एवं विध्यन बेसिनों तथा धारवाड़ शैलों की अवसादी शैलों के उपर हुआ है।
- इनका लाल रंग लौह ऑक्साइड की उपस्थिति के कारण हुआ है।

यह मिट्टी आंशिक रूप से अम्लीय प्रकार की होती है। इसमें लोहा, एल्युमिनियम तथा चूने का अंश कम होता है तथा जीवांश, नाइट्रोजन तथा फास्फोरस की कमी पाई जाती



नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय - 8

प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

भारत में खनिजों का वितरण -

खनिज संसाधनों की मेखलायें (Belts of Mineral Resources)

भारत में खनिजों का वितरण समान नहीं है। भारत में पाये जाने वाले विविध प्रकार के खनिजों को उनके वितरण के अनुसार निम्न मेखलाओं में सीमाबद्ध किया जा सकता है।

1. **बिहार-झारखण्ड-उड़ीसा-पश्चिम बंगाल मेखला** : यह मेखला छोटा नागपुर व समीपवर्ती क्षेत्रों में फैली हुई है। यह मेखला लौह अयस्क मैंगनीज, तांबा, अभ्रक, चूना पत्थर, इल्मेनाइट, फास्फेट, मॉक्साइट आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है। इसमें झारखण्ड खनिज उत्पादन की दृष्टि से प्रमुख राज्य है।
2. **मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-आन्ध्रप्रदेश-महाराष्ट्र मेखला** : इस मेखला में भी लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट, चूना पत्थर, ऐस्बेस्टॉस, ग्रेफाइट, अभ्रक, सिलिका, हीरा आदि बहुलता से प्राप्त होते हैं।
3. **कर्नाटक-तमिलनाडु मेखला** : यह मेखला सोना, लिग्नाइट, लौह अयस्क, तांबा, मैंगनीज, जिप्सम, नमक, चूना पत्थर के लिए प्रसिद्ध है।
4. **राजस्थान-गुजरात मेखला** : यह मेखला पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम, तांबा, जस्ता, घीया पत्थर, जिप्सम, नमक, मुल्तानी मिट्टी आदि खनिजों की दृष्टि से धनी है।
5. **केरल मेखला** : केरल राज्य में विस्तृत इस मेखला में इल्मेनाइट, जिरकन, मोनोवाइट आदि अणुशक्ति के खनिज, चिकनी मिट्टी, गार्नेट आदि बहुलता से पाये जाते हैं।

भारत में उपलब्ध खनिज संसाधन (Available Mineral Resources in India)

वृहद तौर पर भारत में 125 प्रकार के ज्ञात खनिजों में आर्थिक दृष्टि से बड़े पैमाने पर महत्वपूर्ण खनिजों की संख्या 35 हैं। योजना आयोग ने भारत में खनिजों की उपलब्धता व महत्ता के आधार पर 3 श्रेणियों में विभक्त किया है। पर्याप्त उत्पादन के साथ आर्थिक महत्त्व वाले खनिज : लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, कोयला, सोना, इल्मेनाइट, बॉक्साइट व भवन निर्माण सामग्री आदि। 2. पर्याप्त संरक्षित भण्डार वाले खनिज : औद्योगिक मिट्टियां, क्रोमाइट, अणु खनिज आदि। 3. औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण किन्तु अल्प उपलब्धता वाले खनिज : टिन, गन्धक, निकल, तांबा, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, पारा, खनिज तैल आदि।

नवीन भू-गर्भिक सर्वेक्षणों द्वारा देश में प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, सीसा, जस्ता, ताश, सोना पाइराइट, फास्फेट, जिप्सम, लिग्नाइट आदि आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण खनिजों के नये भण्डार पाए गए हैं। भारत में खनिज संसाधनों के भण्डार : देश में प्रमुख खनिजों के संरक्षित भण्डार निम्नानुसार हैं।

लौह अयस्क (Iron Ore)

- आधुनिक औद्योगिक सभ्यता का आधारभूत खनिज - लौह अयस्क के भण्डार व उत्पादन की दृष्टि से भारत विश्व का एक महत्वपूर्ण देश है।
- भारत में लौह अयस्क मुख्यतः प्रायद्वीपीय धारवाड़ संरचना में पाया जाता है।
- विश्व के कुल लौह अयस्क का लगभग 3 प्रतिशत भारत में निकाला जाता है।
- कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से भी अधिक निर्यात कर दिया जाता है।
- गोवा में उत्पादित होने वाले संपूर्ण लोह अयस्क को निर्यात कर दिया जाता है।

लौह अयस्क के प्रकार (Types of Iron - Ore)

भारत में लौह अयस्क मुख्यतः 4 प्रकार का प्राप्त होता है :

1. मैंग्रोटाइट 2. हेमेटाइट 3. लोमोनाइट 4. सिडेराइट

मैंग्रोटाइट : यह सर्वोच्च किस्म का लौह अयस्क होता है, जिसमें शुद्ध धातु का अंश 72 प्रतिशत तक होता है। इसका रंग काला होता है। इसमें चुम्बकीय लोहे के ऑक्साइड होते हैं। मैंग्रोटाइट अयस्क के भण्डार कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, झारखण्ड आदि राज्यों में पाये जाते हैं। 2. हेमेटाइट : यह लाल या भूरे रंग का होता है। इसमें शुद्ध धातु की

मात्रा 60-70 प्रतिशत तक होती है। यह मुख्यतः झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, कर्नाटक व गोवा राज्यों में मिलता है। 3. लिमोनाइट : इसका रंग पीला या हल्का भूरा होता है। इसमें 40 से 60 प्रतिशत तक शुद्ध धातु का अंश होता है। पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में इस किस्म का लौहा पाया जाता है ॥ 4. सिडेराइट ; इस किस्म के लौहे का रंग हल्का भूरा होता है। इसमें धातु का अंश 40 से 48 प्रतिशत तक होता है तथा अशुद्धियां अधिक होती हैं।

लौह अयस्क के संरक्षित भण्डार (Reserves of Iron - ore)

विश्व परिप्रेक्ष्य में लौह अयस्क के संचित भण्डारों की दृष्टि से भारत बहुत धनी देश है। सर्वेक्षण के अनुमानों के अनुसार भारत में विश्व के कुल संचित भण्डार का एक चौथाई भाग निहित है। कच्चे लौहे की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।

लौह अयस्क के उत्पादन का प्रादेशिक वितरण

(Regional Distribution of Iron Production)

विश्व में लौह अयस्क उत्पादक राज्यों में भारत का सातवां स्थान है। देश में लौह अयस्क उत्पादन में स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात् निरन्तर वृद्धि हुई है। वर्ष 1950-51 में लौह अयस्क का उत्पादन जहां 4.1 मिलियन टन (मूल्य लगभग 3 करोड़ रु.) था, वह 10 वर्ष पश्चात् 1960 - 61 में 4 गुना बढ़कर 18.7 मिलियन टन हो गया।

कर्नाटक :

यह राज्य भारत के लौह अयस्क उत्पादक राज्यों में अग्रणीय राज्य है। जो देश के कुल लौह अयस्क का लगभग एक चौथाई भाग उत्पन्न करता है।

उड़ीसा :

यहाँ देश का लगभग 22 प्रतिशत लौह अयस्क प्राप्त होता है। यहाँ लौह अयस्क उत्पादन की दृष्टि से मयूरभंज जिले में गोरुमा हिसानी बादाम पहाड़, सुलेपट मुख्य हैं जहां लौहांश की मात्रा 60 प्रतिशत से अधिक है।

छत्तीसगढ़ :

यह राज्य देश के कुल लौह अयस्क का लगभग 20 प्रतिशत उत्पादन करता है। यहाँ उत्तम किस्म का मैंगोटाइट व हेमेटाइट लौह अयस्क पाया जाता

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /



राजस्थान : यहाँ का अधिकांश मैंगनीज बांसवाड़ा जिले से प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त डूंगरपुर, उदयपुर सिरोही, पाली जिलों में मैंगनीज पाया जाता है। उदयपुर जिले में नाथद्वारा, देबारी तथा सागरवाड़ा क्षेत्रों में भी मैंगनीज उत्पादित होता है। पाली जिले में हीरापुर क्षेत्र से मैंगनीज पाया जाता है

मैंगनीज का व्यापार (Trade of Manganese)

भारत विश्व में मैंगनीज का छठा बड़ा निर्यातक देश है। यहां से मैंगनीज को कच्ची धातु के रूप में ही निर्यात कर दिया जाता है। फ़ैरामैंगनीज में परिवर्तित करके मैंगनीज निर्यात करना अधिक लाभकारी है।

तांबा (Copper)

- देश में तांबा सल्फाइड के रूप में मिलता है
- तांबा टिन और सोना आदि के साथ मिश्रित रूप में पाया जाता है
- तांबे को टिन में मिलाने पर कांश्र्य तथा जस्ता के मिलाने पर पीतल बनता है
- भारत में तांबा की कमी होने के कारण यह अमेरिका, कनाडा, एवं अफ्रीकी देशों से आयात किया जाता है

महत्त्व

तांबा एक ऐसी धातु है जिसका मानव द्वारा उपयोग सभ्यता के आदि काल से होता रहा है। यह धातु बिजली का सुचालक तथा अघातवर्तनीय आदि अपने विशेष गुणों के कारण बिजली के तार, मोटर इंजन, बिजली के बल्ब, डायनमों, रेडियों, दूरभाष व अन्य विद्युत उपकरणों में इसका प्रयोग होता है।

संचित भण्डार (Reserve of Copper)

यह लाल भूरे रंग की अलौह धातु प्राचीन खेदार एवं स्पान्तरित चट्टानों में सल्फाइड, ऑक्साइड, क्लोराइड एवं कार्बोनेट के साथ मिश्रित रूप में पाया जाता है। यह चांदी, टिन, सोना आदि धातुओं के साथ मिश्रित रूप में भी पाया जाता है।

तांबा उत्पादन व प्रादेशिक वितरण (Regional Distribution of Copper production)

झारखण्ड : तांबा संरक्षित भण्डार व उत्पादन की दृष्टि से इस राज्य का भारत में प्रथम स्थान है। देश के कुल तांबा उत्पादन का लगभग आधा भाग यहाँ से प्राप्त होता है। यहां के मुख्य तांबा उत्पादक जिलों में सिंहभूमि, मानभूमि, हजारीबाग, लोहरडागा, कोडरमा, गिरडीह, पलामू आदि हैं।

राजस्थान : भारत का दूसरा बड़ा तांबा उत्पादक राज्य कहलाता है। भारत के कुल तांबा उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत यहाँ से प्राप्त होता है। राज्य में तांबे के 13 करोड़ टन से अधिक भण्डारों का अनुमान है। राज्य में तांबा उत्पादक मुख्य जिलों में झुन्झुनू, अलवर,

उदयपुर, भीलवाड़ा, चुरू, झालावाड़ व दौसा आदि हैं। इनमें सर्वाधिक झुन्डुनू जिला महत्त्वपूर्ण है।

यहां हाल ही जयपुर, दौसा व बांसवाड़ा जिलों में भी तांबे के नये भण्डार मिले हैं।

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

अध्याय - 11

महत्वपूर्ण वन लाइनर तथ्य

1. भारतीय मानक समय $82.5^\circ E$ रेखांश पर अपनाया जाता है।
2. भारत का मानक समय ग्रीनविच माध्य समय से $5\frac{1}{2}$ घंटे आगे है।
3. भारत के दक्षिण छोर का नाम निकोबार द्वीप में स्थित इंदिरा पॉइंट है।
4. भारत के दक्षिणी छोर को इंदिरा पॉइंट कहा जाता है।
5. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत संसार का सातवां सबसे बड़ा देश है।
6. भारत का क्षेत्रफल, पाकिस्तान से लगभग चार गुना बड़ा है।
7. भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः गोंडवानालैंड का एक अंग था।
8. दक्षिण ध्रुव प्रदेश (अंटार्कटिका) में स्थित भारत के स्थायी अनुसंधान केंद्र का नाम दक्षिण गंगोत्री है।
9. हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की सीमा चीन के साथ लगती है।
10. भारत का सबसे बड़ा संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह है।
11. राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर समूह के साथ नागालैंड की साझी सीमाएं हैं।
12. भारत के राजस्थान राज्य का क्षेत्रफल सबसे अधिक है।
13. आन्ध्र प्रदेश राज्य की तटरेखा सबसे लंबी है।
14. भारत की तटरेखा 7500 किमी है।
15. लक्षद्वीप द्वीपसमूह अरब सागर में स्थित है।
16. लक्षद्वीप में 36 द्वीपसमूह हैं।
17. अंडमान निकोबार द्वीप में 'गद्दीदार चोटी' (सैंडिल पीक) उत्तरी अंडमान में स्थित है।
18. पश्चिम बंगाल की सीमाएं तीन देशों के साथ लगती हैं।
19. आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तटीय भू-भाग को कोरोमंडल कहते हैं।
20. केरल के तट को मालाबार तट कहते हैं।
21. भारत की सबसे लंबी सुरंग, जवाहर टनल जम्मू और कश्मीर राज्य में स्थित है।
22. 'स्मार्ट सिटी' कोचीन में स्थापित की जा रही है।
23. दीव एक द्वीप गुजरात से हट कर है।
24. "गुजरात तट से दूर जिस विवादास्पद तटीय पट्टी पर भारत और पाकिस्तान बातचीत कर रहे हैं, उसका नाम सर क्रीक है।

25. प्रस्तावित समुद्र मार्ग 'संतुसमुद्रम' मन्नार की खाड़ी समुद्री वीथिकाओं (Sea-lanes) से गुजरने वाली नहर है।
26. भारत का पुडुचेरी संघ शासित प्रदेश ऐसा है, जिसमें चार जिले हैं, किंतु उसके किसी भी जिले की सीमा, उसके किसी अन्य जिले की सीमा से नहीं मिलती।
27. संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी की सीमा कर्नाटक के साथ नहीं लगती है।
28. झीलों के अध्ययन को लिम्नोलॉजी कहते हैं।
29. जोजी-ला दर्रा श्रीनगर और लेह को जोड़ता है।
30. कुल्लू घाटी धोलाधर और पीर पंजाल के बीच स्थित है।
31. कुल्लू घाटी धोलाधर और पीर पंजाल पर्वतीय श्रेणियों "पर्वत मालाओं" के बीच स्थित है।
32. हिमाचल प्रदेश में स्थित दर्रा शिपकिला है।
33. माउंट एवरेस्ट को सागरमाथा भी कहते हैं।
34. हिमालय की सबसे पूर्वी चोटी नमचा बरवा है।
35. गोडविन आस्टिन एक शिखर है।
36. भारत में सबसे ऊँची चोटी के-2 गोडविन आस्टिन है।
37. अरावली पर्वत हिमालयी श्रृंखला का अंग नहीं है।
38. बृहत्तर (ग्रेटर) हिमालय का दूसरा नाम हिमाद्रि है।
39. नाग तीबा और महाभारत पर्वत मालाएं निम्न-हिमालय में शामिल हैं।
40. भारत में सबसे ऊँचा पठार लद्दाख पठार है।
41. प्रायद्वीप भारत में उच्चतम पर्वत चोटी अनाईमुडी है।
42. अनाईमुडी शिखर सह्याद्री में स्थित है।
43. पीर पंजाल पर्वत श्रेणी भारत में स्थित है।
44. पंचमढी पर्वतीय स्थल को 'सतपुड़ा की रानी' कहते हैं।
45. लोकटक झील, जिस पर जलविद्युत परियोजना का निर्माण किया गया था, मणिपुर राज्य में स्थित है।
46. 'लोकटक' एक झील है।
47. लोनार झील महाराष्ट्र में स्थित

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक)



के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718



पारिस्थितिकी और वन्यजीव

पारिस्थितिकी -

पारिस्थितिकी विज्ञान विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत जीव- विज्ञान तथा भूगोल के मौलिक सिद्धांत की पारस्परिक व्याख्या की जाती है अर्थात् किसी कालखण्ड विशेष में, किसी स्थान पर जीवों का उसके पर्यावरण के साथ पारस्परिक सम्बन्धों का अध्ययन पारिस्थितिकी कहा जाता है।

Ecology लैटिन भाषा के 2 शब्दों से मिलकर बना हुआ - OIKOS और LOGOS जहाँ OIKOS से आशय है निवास स्थान जबकि LOGOS अध्ययन शब्द को प्रतिबिम्बित करता है अर्थात् किसी जीव के निवास स्थान या आवास के अध्ययन को पारिस्थितिकी कहा जाता है।

इकोलॉजी शब्द के जन्मदाता राइटर महोदय हैं जबकि इस शब्द की सैद्धान्तिक व्याख्या अर्नेस्ट हैकल ने प्रस्तुत की थी इसलिए पारिस्थितिक विज्ञान या जन्मदाता हैकल को ही समझा जाता है।

Leveles of ecological study [पारिस्थितिक विज्ञान अध्ययन के विभिन्न स्तर]

1. जनसंख्या (Population)
2. समुदाय (Community)
3. पारितन्त्र (Eco-System)
4. बायोम (जीवोम)
5. जैवमण्डल (Bio-sphere)

1. जनसंख्या:- किसी निश्चित कालखण्ड में स्थान विशेष पर समान प्रजाति में पाये जाने वाले जीवों की कुल संख्या को पारिस्थितिक जनसंख्या कहते हैं।

यहाँ प्रजाति से आशय है वह जैव-समूह जिसमें स्वरूपगत, आनुवांशिक भिन्नता हो तथा सफल लैंगिक एवं अलैंगिक प्रजनन पाया जाता है। जनसंख्या पारिस्थितिकी के अध्ययन की सबसे छोटी इकाई है।

2. **समुदाय-** समुदाय निर्धारित स्थान - विशेष में जीवों का वैसे समूह है जो की एक-दूसरे से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्सम्बन्धित होते हैं। अर्थात् समुदाय की आवश्यक शर्त है की इसमें विभिन्न प्रजातियाँ पारिस्थितिक उर्जा के लिए एक-दूसरे पर आश्रित होती हैं।

3. **पारिस्थितिक तन्त्र -** पारिस्थितिकी तन्त्र पारिस्थितिकी विज्ञान के अन्तर्गत सूक्ष्म से लेकर ब्रह्म क्रियात्मक इकाई है जिसमें जैविक एवं अजैविक घटकों के मध्य अन्तर्सम्बन्धों से उत्पन्न उर्जा प्रवाह का अध्ययन किया जाता है।

पारिस्थिति तन्त्र शब्द के जन्मदाता आर्थर टान्सले महादय हैं परन्तु इसकी सैद्धान्तिक व्याख्या E.P. Odum महोदय ने अपनी पुस्तक Fundamental of Ecology में की है इसलिए Father of Ecosystem Odum महोदय को कहा जाता है।

Types of Eco-system - क्रियात्मकता के आधार पर पारितन्त्र 2 प्रकार के होते हैं-

1. प्राकृतिक पारितन्त्र 2. कृत्रिम पारितन्त्र

1. **प्राकृतिक पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग है जिसमें मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता इसके 2 महत्वपूर्ण अंग हैं-

(अ) स्थलिय पारितन्त्र, घासभूमि पारितन्त्र, मरुभूमि पारितन्त्र etc.

(ब) जलीय पारितन्त्र- जलीय पारितन्त्र स्वभावतः 2 प्रकार का होता है-

(1) प्रवाही जल का पारितन्त्र

(2) स्थायी जल का पारितन्त्र

स्थायी जल का पारितन्त्र विभिन्न प्राकृतिक पारितन्त्र में सर्वाधिक स्थिर पाया जाता है। सागरिय पारितन्त्र जलीय पारितन्त्रों में सर्वाधिक स्थिर है।

2 **कृत्रिम पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग जोकि मानव द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप निर्मित किया जाता है उसे कृत्रिम पारितन्त्र कहते हैं जैसे - कृषि भूमि का पारितन्त्र।

पारितन्त्र के घटक- क्रियात्मक पारितन्त्र में मुख्य रूप से 2 प्रकार के घटक पाये जाते हैं जाकि एक-दूसरे से ऊर्जा प्रवाह द्वारा जुड़े होते हैं।

(1) **अजैविक घटक-** पारितन्त्र के अजैविक घटक तीन वर्गों में विभक्त किये जा सकते हैं-

(1) कार्बनिक घटक- कार्बनिक घटकों का निर्माण पारितन्त्र में विभिन्न जैव- रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा होता है इसलिए इन्हे रासायनिक घटकों के नाम से भी जानते हैं जैसे- कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, वसा आदि।

(2) भौतिक घटक- इन्हे जलवायुविक घटकों की भी श्रेणी में रखते हैं जैसे तापमान, आद्रता, वायुमण्डलिय दाब, पवन परिसंचरण आदि के साथ-साथ उँचाई।

(3) खनिज घटक- अजैविक घटकों में पारितन्त्र में खनिजों का महत्वपूर्ण योगदान है जोकि विभिन्न पोषण स्तरों में चक्रीय प्रवाह के रूप में प्राप्त होते हैं। जैसे- कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, P, Fe, Cu, O₂ आदि।

(2) जैविक स्वपोषि- वह जैव समुदाय जोकि भौतिक तत्वों से अपने लिए स्वयं भोज्य ऊर्जा उत्पन्न करता है उन्हे स्वपोषि कहा जाता है। इनके 2 महत्वपूर्ण वर्ग हैं-

1. प्राकाश संश्लेषीत जीव- जोकि सूर्य से प्राप्त उर्जा द्वारा अपना भोजन निर्मित करता है इसके अन्तर्गत मुख्य रूप से पादप समूह आते हैं।

2. रासायनिक संश्लेषीत जीव- वह सूक्ष्म जीव जोकि सूर्य प्रकाश की अनुपस्थिति में जैव-रासायनिक प्रक्रिया द्वारा

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद।

संपर्क करें - 8233195718

वन्य जीव एवं जैव विविधता -

जैव विविधता शब्द पहली बार 1986 में रोसेन महोदय ने Forum of Bio-Diversity में दिया था परन्तु इसकी संकल्पनात्मक व्याख्या O. बिल्सन महोदय द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

जैव-विविधता से आशय है विश्व में पायी जाने वाली कुल प्रजातियों की मात्रा या जीवन की विविधता को ही जैव-विविधता कहा जाता है। प्रजातियों की प्रचुरता किसी भी पारितन्त्र के सन्तुलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इसी आधार पर जैव-विविधता के कुल तीन प्रकार माने जाते हैं-

(1) पारितन्त्र विविधता- किसी एक बायोम प्रदेश या जैव-मण्डलीय क्षेत्र में पाये जाने वाले कुल पारितन्त्र की प्रचुरता ही पारितन्त्र विविधता कहलाती है जैसे- विषुवतीय वर्षा वन प्रवाल भित्तियाँ तथा मैंग्रोव वनों में पारितन्त्र की विविधता उच्च पायी जाती है।

(2) प्रजाति विविधता- किसी एक विशिष्ट पारितन्त्र में पाये जाने वाले कुल प्रजातियों की संख्या ही प्रजाति विविधता कहलाती है। चूँकि पारितन्त्र के प्रत्येक जैविक घटक एक-दूसरे से खाद्य उर्जा के रूप में अन्तर्सम्बन्धित रहते हैं इसलिए जिस पारितन्त्र में प्रजाति विविधता उच्च पायी जाती है वह अधिक स्थायी माना जाता है।

(3) अनुवांशिक विविधता- किसी एक प्रजाति विशेष में पायी जाने वाली कुल अनुवांशिक प्रचुरता संख्या को अनुवांशिक विविधता कहते हैं जैसे छत्तीसगढ़ बेसिन में चावल की सर्वाधिक अनुवांशिक विविधता पायी जाने के कारण

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718

भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण -

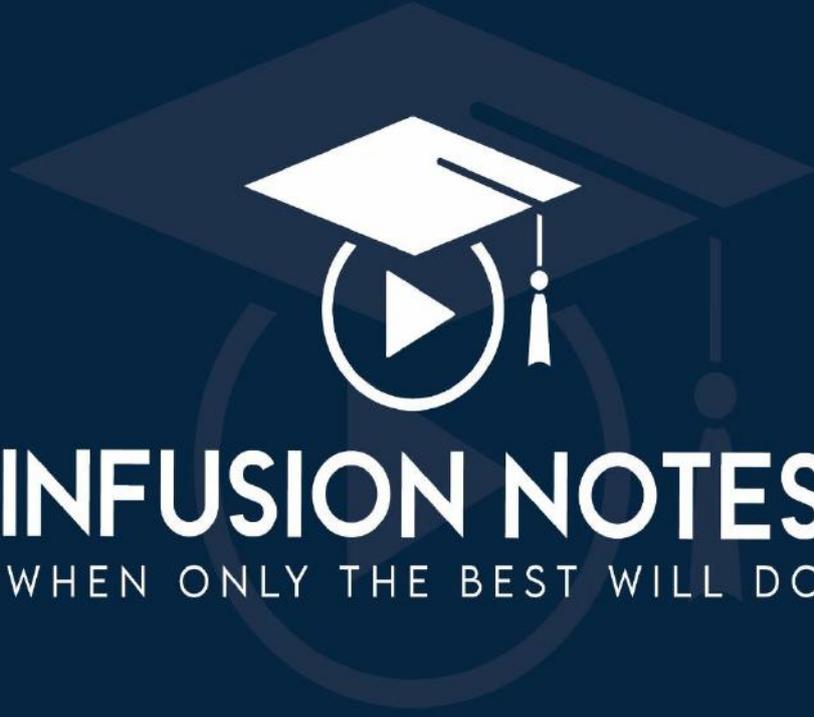
प्राकृतिक आवास में रहने वाले जीव-जंतुओं को वन्य जीवन के रूप में जाना जाता है। वनों और वन्य जीवन में तीव्र गति से हो रहे हास के कारण इनका संरक्षण आवश्यक हो गया है।

पेड़-पौधों और वन्य जीवन के संरक्षण के प्रमुख उद्देश्य:-

- पेड़-पौधों एवं वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा।
- सुरक्षित क्षेत्रों में जीवों का उचित रख-रखावा
- पेड़-पौधों एवं वन्यजीवों के लिए जैव मंडल रिजर्व के स्थापना करना।
- विश्व के जियो में अनुवांशिकी पदार्थ की वर्तमान श्रृंखला को बनाए रखना।
- अधिनियमों एवं कानून लाकर वन्य जीवों एवं पेड़-पौधों की रक्षा करना।

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यही समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718



INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/  



01414045784



contact@infusionnotes.com



<http://www.infusionnotes.com/>